स्टार्टअप से नई शुरुआत

- भारत युवाओं का देश है। बीते सात वर्ष में युवाओं ने स्टार्टअप के रूप में एक नई रोजगार संस्कृति का शुभारंभ किया है।
- हमारा देश स्टार्टअप में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बना है। 634 से अधिक जिलों में 60,000 से अधिक स्टार्टअप हैं।
- भारत में स्टार्टअप 55 तरह के औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े हैं। आइटी सेक्टर में 14, हेल्थकेयर में नौ, एजूकेशन में सात, खानपान व कृषि क्षेत्र में चार-चार प्रतिशत स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

- हमारे देश में कुल 80 यूनिकार्न हैं जिसमें से पचास प्रतिशत से अधिक 2021 में ही बने। इनकी कुल वैल्यू 82 बिलियन डालर से अधिक है।
- इस नई रोजगार संस्कृति का ही नतीजा है कि देश में मौजूद यूनिकार्न का मूल्यांकन 260 बिलियन डालर से अधिक है। अब वश्व के दस यूनिकार्न में से एक भारत में बनता है।
- स्टार्टअप की इस तेजी का कारण है भारत में तेजी से बढ़ती डिजिटल पेमेंट प्रणाली, स्मार्टफोन उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या और डिजिटल बिजनेस माडल का बढ़ता चलन।
- वेंगलुरू, दिल्ली और मुंबई देश के यूनिकार्न हब हैं, लेकिन स्टार्टअप की पटकथा छोटे-छोटे शहरों में भी लिखी जा रही है।
- अब स्टार्टअप गेमिंग, कंटेंट, डाटा प्रबंधन और एनालिटिक्स और क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज जैसे नये क्षेत्रों में भी बन रहे हैं।
- जोमैटो, पेटीएम, नायका और पालिसीबाजार शेयर बाजार में आइपीओ भी लेकर आ चुके हैं।